खास-खबरें

नपा अध्यक्ष को दिया भगवान बलराम जन्मोत्सव का आमंत्रण, निकलेगी वाहन रैली

नईदुनिया, प्रतिनिधि, सीहोरः नागर धाकड़ युवा संगठन के तत्वावधान में आराध्य देव भगवान बलराम का जन्मोत्सव धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर को नागर धाकड़ युवा संगठन के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र नागर संगठन अध्यक्ष विनोद नागर और कार्यकर्ताओं के द्वारा निवास पर पहुंचकर भगवान बलराम जन्मोत्सव कार्यक्रम का आमंत्रण दिया गया। शहर में आगामी बुधवार 2 सितंबर सुबह 11 बजे भोपाल नाका से वाहन रैली शुरू होकर बाल विहार मैदान पहुंचेगी यहां सामाजिक आमसभा का आयोजन किया जाएगा। संगठन अध्यक्ष विनोद नागर ने बताया कि समाज की एकता, संगठन और धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह भव्य रैली आयोजित की जा रही है। आयोजन समिति एवं समस्त कार्यकारिणी ने सीहोर जिले के समस्त सम्मानीय नागर धाकड़ समाज बंधुओं एवं शहर वासियो से अधिक से अधिक संख्या में रैली में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने और समाज की एकजुटता का परिचय देने की अपील की है।

पुलिस की सघन चेकिंग से शराबियों के जमावड़े पर लगी लगाम

नईदुनिया, प्रतिनिधि, गंजबासौदाः नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाले मार्गों पर खुलेआम शराब पीकर हुड़दंग करने वालों के खिलाफ पुलिस की सख्ती का असर दिखाई देने लगा है। पुलिस द्वारा लगातार की जा रही सघन चेकिंग के चलते शराबियों और असामाजिक तत्वों ने अपने पुराने ठिकाने बदल लिए हैं। इससे मार्गों पर होने वाली अव्यवस्था और राहगीरों की परेशानी में कमी आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ समय पहले शराब दुकानों के आसपास शराबियों के जमावड़े लगे रहते थे। लोग समूह बनाकर खुले में शराब का सेवन करने के बाद हंगामा और हुड़दंग करते थे। इसके कारण राहगीरों और आसपास के रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। शहर से नजदीकी गांवों की ओर जाने वाले मार्गों पर भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती थी। पुलिस ने ऐसे स्थानों पर निगरानी बढ़ाते हुए लगातार चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस की कार्रवाई और सख्ती के बाद खुले में शराब पीने वालों की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगा है। अब पूर्व में बनाए गए ठिकानों पर शराबियों की भीड़ नजर नहीं आ रही है।

अंतिम संस्कार में अयोध्या जा रहे परिवार की कार पलटी, 4 घायल

नईदुनिया, प्रतिनिधि, शाजापुरः आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर एकता होटल के समीप एक कार का टायर फटने से वह अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार चार लोग घायल हो गए, गनीमत रही कि दो मासूम बच्चियां सुरक्षित बच गईं। यह परिवार अपनी मां के निधन की खबर सुनकर गुजरात से अयोध्या लौट रहा था। प्राथमिक उपचार के बाद परिवार अपनी आगे की यात्रा पर निकल गया। जानकारी के अनुसार, कृष्णा कुमार पांडे की माताजी का हाल ही में निधन हो गया था। इस दुखद घड़ी में कृष्णा पांडे अपने परिवार के पांच अन्य सदस्यों के साथ निजी कार से गुजरात के अंकलेश्वर से अपने पैतृक घर अयोध्या (उत्तर प्रदेश) जा रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच, शाजापुर जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर हाईवे पर उनकी कार का टायर अचानक तेज धमाके के साथ फट गया। रफ्तार अधिक होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सड़क पर पलट गई।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः बेतहाशा बढ़ती महंगाई और आम जनता की रसोई पर पड़ रहे आर्थिक बोझ के विरोध में शहर कांग्रेस कमेंटी द्वारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती की उपस्थिति में और शहर कांग्रेस अध्यक्ष घनश्याम यादव के नेतृत्व में ने अनोखे एवं प्रतीकात्मक तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के माध्यम से आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरतों पर लगातार बढ़ रही महंगाई को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने कहा कि आज देश की जनता महंगाई से त्रस्त है। खाद्य सामग्री से लेकर रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं तक के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार आम लोगों को राहत देने में विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जनता की कमाई सीमित है और खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। रसोई का बजट बिगड़ चुका है और आम परिवार महंगाई की मार झेलने को मजबूर है।

कुबेरेश्वरधाम पर उमड़ा आस्था का सैलाब हजारों श्रद्धालुओं ने किया मंगल तिलक

रक्षाबंधन पर महिलाओं ने बाबा को बांधा रक्षा सूत्र, सीवन जल से किया अभिषेक

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शुक्रवार को जिला मुख्यालय के समीपस्थ प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भगवान कुबेरेश्वर महादेव का मंगल तिलक कर सीवन नदी के तट से लाए पवित्र जल से विधि-विधान के साथ अभिषेक किया। पूरे मंदिर परिसर में हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे।

हर साल की तरह इस वर्ष भी कुबेरेश्वरधाम में सादगी और श्रद्धा के साथ मंगल तिलक महोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिव पर अडिग विश्वास व्यक्ति को हर कठिन परिस्थिति से निकलने की शक्ति देता है। भगवान भोलेनाथ को बड़े-बड़े विधान या महंगे उपहार नहीं, बल्कि भक्त का प्रेम और श्रद्धा से अर्पित किया गया एक लोटा शुद्ध जल ही प्रिय है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व रक्षा, सुरक्षा, प्रेम और आपसी विश्वास का संदेश देता है। सनातन धर्म में मनाए जाने वाले सभी पर्व हमारी संस्कृति और परंपराओं के मजबूत स्तंभ हैं। इन पर्वों के माध्यम से समाज में आपसी प्रेम और एकता की भावना मजबूत होती है।

विठलेश सेवा समिति ने किया श्रद्धालुओं का स्वागतः मंगल तिलक महोत्सव के दौरान विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित विप्रजनों ने श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। कांवड मेले का अंतिम दिवस था। कांवड़ियों के झुंड कंधों पर जल लिए शिवत्व को आत्मसात करते हुए अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे थे तो यह सनातन परंपरा की उस अनंत धारा का साक्षात प्रकटीकरण है जो प्राचीन काल से भारतीय चेतना में प्रवाहित होती रही है। यह महीना शिव-आराधना का सबसे पवित्र काल है। यही वह समय है जब पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र-मंथन से निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने कंठ में धारण किया था और सृष्टि को विनाश से बचाया था।

कंकर में शंकर की आस्थाः कुबेरेश्वरधाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं में कंकर में शंकर की आस्था भी देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में मौजूद शिव स्वरूपों की श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की। रक्षाबंधन के अवसर पर मुरली मनोहर मंदिर में भगवान शिव-पार्वती, भगवान श्रीराम-माता सीता और भगवान श्रीकृष्ण-राधा के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने पर्व की खुशियां मनाईं। सुबह से लेकर दिनभर धाम में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। भक्ति, आस्था और रक्षाबंधन के उल्लास से पूरा कुबेरेश्वरधाम शिवमय नजर आया।

महिलाओं ने बाबा को बांधा रक्षा सूत्र, बताया- कुबेरेश्वरधाम हमारा मायका

विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि शुक्रवार सुबह बड़ी संख्या में महिलाओं ने कुबेरेश्वरधाम पहुंचकर बाबा का मंगल तिलक किया। कई महिलाओं ने भगवान शिव को रक्षा सूत्र भी बांधा और परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने सीवन नदी के तट से लाए जल से भगवान शिव का अभिषेक किया। महिलाओं ने कहा कि कुबेरेश्वरधाम उनके लिए मायके जैसा है, जहां पहुंचकर उन्हें अपनापन और आत्मीयता का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की भक्ति का सरल मार्ग उन्हें पंडित प्रदीप मिश्रा के माध्यम से मिला है और इसी विश्वास के साथ वे हर वर्ष बाबा के दरबार में पहुंचती हैं।

विदिशा का कागपुर क्षेत्र बना पक्षी कंजर्वेशन रिजर्व

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशाः मध्य प्रदेश शासन के वन विभाग ने विदिशा वनमंडल अंतर्गत कागपुर क्षेत्र को कागपुर पक्षी कंजर्वेशन रिजर्व घोषित किया है। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 36 (क) के तहत राज्य सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना का प्रकाशन 25 अगस्त 2026 को मध्य प्रदेश राजपत्र में किया गया।

कागपुर क्षेत्र को पक्षी संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हुए 53.5 हेक्टेयर क्षेत्र को कंजर्वेशन रिजर्व के दायरे में शामिल किया गया है। यह क्षेत्र विदिशा तहसील और विदिशा वनमंडल के अंतर्गत आता है। यहां वन्य पक्षियों के साथ उनके प्राकृतिक आवास और जैव विविधता को संरक्षित किया जाएगा।

वन विभाग के अनुसार स्थानीय समुदायों से परामर्श के बाद क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। कागपुर क्षेत्र बेतवा एवं बाह्य नदियों के बीच स्थित है। यहां मौजूद प्राचीन जलीय संरचना यानी तालाब बड़ी संख्या में वन्य पक्षियों को आकर्षित करता है। क्षेत्र के आसपास वनभूमि या जंगल नहीं होने के बावजूद पक्षियों के महत्वपूर्ण आवास को देखते हुए इसे संरक्षण का दर्जा देना उपयुक्त पाया गया।

रिजर्व में ग्राम कागपुर के खसरा क्रमांक 125 और 126 की क्रमशः 16.860 और 7.076 हेक्टेयर भूमि तथा ग्राम गातला के खसरा क्रमांक 1, 2, 90/1 और 105 की क्रमशः 3.637, 7.357, 6.535 और 12.035 हेक्टेयर भूमि शामिल है। कुल क्षेत्रफल 0.535 वर्ग किलोमीटर यानी 53.5 हेक्टेयर है।

अधिसूचना में रिजर्व की चारों दिशाओं की सीमाएं और भौगोलिक निर्देशांक भी निर्धारित किए गए हैं। इससे संरक्षित क्षेत्र की सीमा स्पष्ट रूप से चिन्हित रहेगी। शासन के इस निर्णय से कागपुर में पक्षियों के प्राकृतिक आवास, जल संरचना और जैव विविधता के संरक्षण को मजबूती मिलेगी। यह विदिशा जिले में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

नशे के खिलाफ एकजुट हुए, 1 सितंबर को सामाजिक संगठनों का मिला समर्थन

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः नगर में नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ अब सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं और व्यापारियों ने एकजुट होकर आवाज बुलंद करना शुरू कर दिया है। 1 सितंबर को प्रस्तावित नशामुक्ति जनजागरण रैली को व्यापक समर्थन दिलाने के लिए विभिन्न संगठनों की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। रघुवंशी समाज, लोधी समाज, अधिवक्ता संघ और व्यापारी संगठनों ने रैली को समर्थन देते हुए अधिक से अधिक नागरिकों से इसमें शामिल होने की अपील की है। रघुकुल युवा परिषद भी प्रचार वाहन के माध्यम से शहर में जनजागरण अभियान चलाएगी। संत समाज ने भी रैली को समर्थन दिया है।

बताया गया कि नगर में ड्रग्स सहित अन्य मादक पदार्थों के अवैध कारोबार को लेकर नागरिकों में चिंता बढ़ रही है। एक पखवाड़े में ड्रग्स के सेवन से तीन युवाओं की मौत की घटनाओं ने लोगों को झकझोर दिया है। इसी के बाद नागरिकों ने नशे के खिलाफ सामूहिक अभियान शुरू किया है।

अधिवक्ता संघ ने लिया निर्णयः अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अमान सिंह राजपूत ने बताया कि मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में आरोपियों की पैरवी नहीं करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि नशे का कारोबार केवल अपराध नहीं, बल्कि युवाओं और परिवारों के भविष्य से जुड़ी गंभीर सामाजिक समस्या है।

लोधी धर्मशाला में आयोजित बैठक में समाजजनों ने नशे के खिलाफ सामाजिक स्तर पर मजबूती से खड़े होने का संकल्प लिया।

उपजेल में भावुक माहौल में मनाया रक्षाबंधन

गंजबासौदा। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व गंजबासौदा उपजेल में भावुक माहौल के बीच मनाया गया। इस दौरान जेल में निरुद्ध बंदियों से मिलने पहुंची बहनों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाकर लंबी उम्र की कामना की। सलाखों के पीछे रह रहे भाइयों से मिलकर कई बहनें भावुक हो उठीं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। रक्षाबंधन को लेकर जेल प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। सुरक्षा के मद्देनजर बहनों की जांच और तलाशी के बाद ही उन्हें जेल परिसर में प्रवेश दिया गया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत बहनों को अपने भाइयों से मिलने और राखी बांधने की अनुमति दी गई। राखी बांधने के दौरान भाइयों ने बहनों को हर परिस्थिति में उनकी रक्षा करने का वचन दिया।

नागदा में मुख्यमंत्री का स्वागत, बहनों ने बांधी राखी

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को उज्जैन जिले में खाचरौद में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद एक निजी कार्यक्रम में नागदा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शहर स्थित श्री रांगोली रिजॉर्ट एवं फैमिली गार्डन में कुछ समय बिताया।

यहां मध्य प्रदेश शासन असंगठित कामगार कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सुल्तान सिंह शेखावाटी सहित अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर नागदा क्षेत्र की बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने बहनों से स्नेहपूर्वक मुलाकात की और रक्षाबंधन के पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान क्षेत्र के विकास तथा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को लेकर भी आत्मीय चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री के नागदा आगमन और क्षेत्रवासियों के बीच समय बिताने से स्थानीय लोगों में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल रहा। सुल्तान सिंह शेखावाटी ने नागदा-खाचरौद क्षेत्र के प्रति मुख्यमंत्री के स्नेह, आत्मीयता और विकास के संकल्प के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का क्षेत्र से जुड़ाव और यहां के लोगों के बीच सहजता से समय बिताना क्षेत्रवासियों के लिए हर्ष और गौरव का विषय है। इसमके पर पूर्व नगरपलिका उपाध्यक्ष रामसिंह शेखावत भाजपा नेता मोतीसिह शेख आदि ने स्वागत किया।

रेशम के धागे में बंधा अटूट विश्वास भैरूंदा में उल्लास से मना रक्षाबंधन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व शुक्रवार को भैरूंदा तहसील क्षेत्र में हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। नगर सहित ग्रामीण अंचलों में सुबह से ही त्योहार का उत्साह दिखाई दिया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर, आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और सुख-समृद्धि व दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर हर परिस्थिति में साथ निभाने और रक्षा करने का संकल्प लिया।

रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में भी दिनभर रौनक रही। राखी, मिठाई और उपहारों की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ी। शादीशुदा बहनों के मायके पहुंचने से घरों में खुशी का माहौल रहा। बच्चों में भी रंग-बिरंगी राखियों को लेकर उत्साह देखने को मिला।

उपजेल में भावुक हुआ भाई-बहन का मिलनः भैरूंदा उपजेल में भी रक्षाबंधन पर्व भावुक माहौल में मनाया गया। बड़ी संख्या में पहुंची बहनों ने बंदी भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके बेहतर भविष्य की कामना की। कई बहनें भाइयों से मिलकर भावुक हो गईं। उन्होंने भाइयों से गलत रास्ते छोड़कर सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लेने की अपील की।

पुलिस जवानों को बांधी राखीः थाना भैरूंदा परिसर में भी रक्षाबंधन का विशेष आयोजन हुआ। समाजसेवी राधिका जेमिनी ने एसडीओपी रोशन कुमार जैन, थाना प्रभारी घनश्याम सिंह सहित पुलिस अधिकारियों और जवानों को राखी बांधी। वहीं उपनिरीक्षक पूजा राजपूत ने भी पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर भाईचारे और सम्मान का संदेश दिया।

बहनों ने कहा कि पुलिसकर्मी परिवार से दूर रहकर समाज की सुरक्षा में दिन-रात जुटे रहते हैं। ऐसे में उन्हें राखी बांधना सम्मान और आत्मीयता का प्रतीक है। पूरे क्षेत्र में रक्षाबंधन पर्व प्रेम, विश्वास और सामाजिक सौहार्द के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

कांग्रेस कार्यकारिणी को लेकर असंतोष, इस्तीफे की मांग

पीथमपुर। धार जिला कांग्रेस समिति की नई कार्यकारिणी के गठन के बाद पार्टी के भीतर असंतोष के स्वर तेज होने लगे हैं। कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने संगठन में पदों के वितरण को लेकर नाराजगी जताते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि संगठन में जमीनी स्तर पर लंबे समय से सक्रिय और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की अपेक्षा कुछ विशेष लोगों को प्राथमिकता दी गई है। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि गंधवानी और कुक्षी क्षेत्र को संगठन में अपेक्षाकृत अधिक प्राथमिकता मिली है। वहीं कई समर्पित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की अनदेखी किए जाने से नाराजगी बढ़ी है। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कुछ ऐसे लोगों को भी संगठन में स्थान दिया गया है, जो पहले से कई पदों पर हैं। साथ ही पुलिस द्वारा जिला बदर किए गए लोगों को संगठन में पद दिए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

महंगाई की मार से चंदेरी बाजार में फीकी पड़ी त्योहार की रौनक

नईदुनिया प्रतिनिधि, चंदेरीः रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक होने के बावजूद चंदेरी के बाजारों में अपेक्षित चहल-पहल नजर नहीं आ रही है। सामान्य दिनों में त्योहार से पहले जहां बाजार और गलियों में खरीदारी को लेकर उत्साह दिखाई देता था, वहीं इस बार महंगाई के कारण बाजार अपेक्षाकृत सूने नजर आ रहे हैं। बढ़ती कीमतों ने आमजन के घरेलू बजट को प्रभावित किया है।

त्योहार पर मिठाई और पकवानों की खरीदारी का विशेष महत्व रहता है, लेकिन इस बार खाद्य सामग्री की बढ़ती कीमतों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। शक्कर सहित अन्य जरूरी सामान महंगा होने से त्योहार के खर्च का हिसाब बिगड़ गया है। मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों के सामने सीमित बजट में त्योहार मनाने की चुनौती बनी हुई है। लोगों का कहना है कि त्योहार पर कपड़े, मिठाई, पूजा सामग्री और अन्य जरूरी सामान खरीदना पहले की तुलना में काफी महंगा हो गया है। ऐसे में परिवारों को जरूरत और बजट के बीच संतुलन बनाना पड़ रहा है। कई लोग जरूरी खरीदारी तक सीमित रहने की बात कह रहे हैं।

महंगाई का असर राखी के त्योहार पर बहनों और भाइयों के आवागमन पर भी दिखाई दे रहा है। लोगों के अनुसार बस किराए में बढ़ोतरी के कारण दूर रहने वाली बहनों को भाई के घर राखी बांधने के लिए आने-जाने से पहले खर्च का हिसाब लगाना पड़ रहा है। वहीं भाइयों के लिए भी बहनों तक पहुंचना अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि त्योहारों की खुशी बाजार की रौनक और आपसी मेल-मिलाप से जुड़ी होती है, लेकिन इस बार बढ़ती महंगाई ने उत्साह को काफी प्रभावित किया है। आमजन को उम्मीद है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में राहत मिले।

बहनों ने भाइयों को तिलक लगा कर बांधी राखी

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः जिले में शुक्रवार को रक्षाबंधन का त्योहार उत्साह के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों का मंगल तिलक कर रक्षा सूत्र बांधें। बहनों ने भाई की कलाई पे प्यार बांधा है.. ये राखी बंधन है अपना.. भैय्या मेरे राखी के बंधन को निभाना जैसे गीतों की पक्तियां फिजाओं में छाई रही। जिलेभर में भाई-बहन के अटूट प्रेम पर्व रक्षाबंधन को मनाया गया। पारंपरिक रस्मों को निभाते हुए बहिनों ने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और भाइयों से रक्षा का वचन लिया। रक्षा बंधन पर्व को लेकर बाजारों में खासी रौनक रही। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर जिलेभर में उल्लास रहा। बहनों ने शुभ मुहूर्त में पूजा का थाल सजाया, जिसमें कुमकुम, अक्षत, रक्षा सूत्र, मिठाई, सूखा नारियल आदि रखे। इसके बाद भाई के माथे पर प्रेम का टीका लगाया और आरती उतारी। बहन ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर मुंह मीठा कराया। भाइयों ने भी बदले में रक्षा का वचन दिया तथा उपहार, श्रृंगार सामग्री, कपड़े, आभूषण आदि भेंट किए।

रक्षाबंधनपर्व के उपलक्ष्य में शहर में सजी राखियों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी रही। बहिनों ने अपने भाइयों के लिए कई वैरायटियों की राखियां खरीदी। दूसरे राज्य एवं जिलों में रह रही बहनें भी अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए पहुंची।

रक्षाबंधनः जेल की सलाखें भी नहीं रोक पाईं भाई-बहन का प्यार

नईदुनिया प्रतिनिधि, शाजापुरः भाई-बहन के अटूट प्रेम, त्याग और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को शहर सहित पूरे अंचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों के भाल पर कुमकुम का तिलक सजाकर कलाई पर स्नेह का रक्षा सूत्र बांधा और उनका मुंह मीठा कराया। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को आकर्षक उपहार भेंट कर उम्र भर उनकी सुरक्षा का वचन दिया। त्योहार के चलते शहर के बाजारों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर दिनभर भारी रौनक और भीड़भाड़ का माहौल रहा।

पर्व को लेकर उत्साह का आलम यह था कि दूर-दराज से बहनें लंबा सफर तय कर अपने भाइयों के घर पहुंचीं। गौरतलब है कि अधिकांश लोगों ने पर्व के एक दिन पूर्व ही राखी और अन्य पूजन सामग्री की खरीदारी कर ली थी, लेकिन शुक्रवार को भी बाजारों में भारी उल्लास नजर आया।

जेल में बंद भाइयों को बांधी राखीः रक्षाबंधन का एक भावुक नजारा स्थानीय जेल में भी देखने को मिला। बंदी भाइयों की सूनी कलाई पर राखी बांधने के लिए बहनें लंबी दूरी तय कर शाजापुर जेल पहुंचीं। सुबह से ही जेल के बाहर बहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। जेल परिसर में पहुंची बहनों ने भाइयों के माथे पर कुमकुम का तिलक लगाकर राखी बांधी और उनकी जल्द रिहाई की प्रार्थना की। इस दौरान उप जेल अधीक्षक सुनील मंडलेकर भी मौजूद रहे।